

INHALTSVERZEICHNIS

| | | |
|--------------|--|-----|
| 1. | Einleitung | 7 |
| 2. | Die Anfänge des geistlichen Spiels | 18 |
| 3. | Die Anrede des Publikums in den Wakefield-Spielen | 26 |
| 4. | Redeformen am Spielanfang | 40 |
| | 4.1. Verkündigungsreden | 40 |
| | 4.2. Eröffnungsgebete | 44 |
| | 4.3. Die Eingangsmonologe der Hirten | 46 |
| | 4.4. Prahlreden | 47 |
| 5. | Die Entstehung von Dialogen | 51 |
| | 5.1. Direkter Auftritt | 51 |
| | 5.2. Vorstellung der Personen | 52 |
| | 5.3. Befragung | 53 |
| | 5.4. Herbeirufen und Herbeiholen | 56 |
| | 5.5. Aufforderungen | 57 |
| | 5.6. Begrüßungen | 58 |
| 6. | Zweigespräche | 62 |
| | 6.1. Einleitende und verknüpfende Zweigespräche | 64 |
| | 6.2. Zweigespräche in Nebenhandlungen | 75 |
| | 6.3. Zweigespräche in Haupthandlungen | 81 |
| | 6.4. Deus und Jesus | 89 |
| | 6.5. Josef und Maria | 98 |
| | 6.6. Kain und Abel | 103 |
| | 6.7. Die Teufel | 109 |
| | 6.8. Die Schäfer | 115 |
| 7. | Drei- und Mehrpersonengespräche | 124 |
| 8. | Ort und Zeit in den Wakefield-Spielen | 138 |
| 9. | Zusammenfassende Schlußbetrachtung | 147 |
| 10. | Literaturverzeichnis | 156 |
| Anhang | | 171 |
| Übersichten: | | |
| | Parallelen zwischen den Wakefield- und York-Spielen | 173 |
| | Zahl der sprechenden Personen | 174 |
| | Spielanfänge | 177 |
| | Monologe am Anfang eines Stückes oder am Anfang einer Szene .. | 178 |
| | Zweigespräche | 178 |

| | |
|---|-----|
| Drei- und Mehrpersonengespräche | 179 |
| Publikumsanreden | 180 |
| Botengespräche | 181 |
| Gesprächsanknüpfungen - Kain und Abel | 181 |
| Begrüßungsformeln | 182 |
| Abschiedsformeln | 185 |
| Aufmerken, Zuhören | 188 |
| Selbstvorstellung, Herbeirufen | 189 |
| Anrede | 190 |